अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़
वार्षिक पारितोषिक-वितरण समारोह - 26 अप्रैल, 2017
वार्षिक विवरण (सत्र 2016-17)

डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता
प्राचार्य

महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार–वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य–अतिथि सम्माननीय श्री विपुल गोयल, उद्योग मंत्री, हरियाणा सरकार, विशिष्ट–अतिथि श्री यशवीर डागर, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, कालेज प्रबन्ध समिति के प्रधान आदरणीय श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, कालेज प्रबन्ध समिति के अन्य माननीय पदाधिकारी, विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के आदरणीय सदस्य, महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बन्धु तथा पुरस्कार प्राप्त करने आए विद्यार्थियो !

आप सभी का हार्दिक स्वागत –

आज के समारोह के मुख्य अतिथि सम्माननीय श्री विपुल गोयल जी, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार अत्यन्त प्रतिष्ठित व गरिमामयी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आप दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक हैं। समाज सेवा आपका प्रिय क्षेत्र रहा है, जिसमें आपने गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग के लिए देशभर में 100 से अधिक एकल विद्यालयों का संचालन, बेघर लोगों के आश्रय की व्यवस्था, दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाना, गरीब– परिवार की 2000 से अधिक बेटियों के विवाह में योगदान, मन्दिर निर्माण में योगदान तथा राष्ट्रीय–गौरव की अभिव्यक्ति के लिए नवचेतना ट्रस्ट के माध्यम से सेक्टर–12 स्थित टाऊन पार्क में 250 फुट ऊँचा तिरंगा लगवाया जो कि लिम्का बुक में विश्व–रिकार्ड के रुप में दर्ज है। आपने उद्योग मन्त्रालय का पदभार संभालने के उपरान्त लग्न व तीव्रता से कार्य करते हुए उद्योग क्षेत्र में आने वाली अनेक परेशानियों को दूर कर बहुत दूरगामी फैसले लिए। आपके उन्हीं कार्यों का परिणाम था कि विदेशी व्यापारियों ने हरियाणा राज्य में लाखों करोड़ का निवेश करने की इच्छा जतलाई।

मान्यवर! अब मैं आपके समक्ष इस महाविद्यालय का संक्षिप्त–परिचय प्रस्तुत करता हूँ। सन् 1971 में बल्लबगढ़ व आस–पड़ोस के युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की जरुरत को पूरा करने के लिए कुछ प्रबुद्ध–समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की नींव रखी। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ की स्थापना सन् 1945 में हुई। वस्तुतः सन् 1919 में अनौपचारिक रुप से इसकी नींव रखी गई थी। जहाँ एक वृक्ष के नीचे मुंडी भाषा सिखलाई जाती थी। सन् 1919 से 1945 तक आते आते इस सभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रुप धारण कर लिया। इस सभा द्वारा संचालित इस महाविद्यालय के अतिरिक्त एक अग्रवाल शिक्षण महाविद्यालय तथा छः अन्य स्कूल भी हैं जिनमें लगभग 13000 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के उदारमना सदस्यों ने गरीब विद्यार्थियों, जोकि फीस देने में असमर्थ हैं, की सहायतार्थ सत्र 2015–16 में 77 लाख 33 हज़ार तथा सत्र 2016–17 में 1 करोड़ 26

लाख 89 हज़ार रुपये की धनराशि का योगदान किया है जो कि अपने आप में एक श्रेष्ठ मिसाल है। विगत वर्ष से प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" की शुरुआत की है, जिसमें उनके लिए फीस माफी, छात्रवृति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाती है।

महाविद्यालय में कुल 29 कोर्स चलाए जा रहे हैं जिनमें 08 स्नातकोत्तर व 08 व्यवसायपरक (06 Add-on Course व 02 Vocational Course) हैं। इसी सत्र से महाविद्यालय में एम.ए.अंग्रेजी, एम.एस.सी. रसायन शास्त्र व बी.एस.सी. ऑनर्स गणित की कक्षाएँ प्रारम्भ हुई हैं। कॉलेज के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं, जिनमें 113410 पुस्तकें, 105 जनरल तथा 35 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय E-books of Pearson Publication, E-Journals तथा N-List (INFLIBNET) का भी सदस्य है। 698 कम्प्यूटरों से युक्त 12 कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, लैंगवेज लैब, रसायन व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएँ तथा इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में Audio-Visual Rooms, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैं। जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है। महाविद्यालय के तीनों संभाग वाई–फाई तथा इन्टरनेट से युक्त हैं।

विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कॉलेज–प्रशासन के संयुक्त प्रयासों द्वारा कॉलेज ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक श्रेष्ठ उपलब्धियाँ अर्जित कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है–

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव धनात्मक रहते हैं। वर्ष 2015–16 की वार्षिक परीक्षा में 211 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट लिस्ट में स्थान बनाया जिनमें से 15 विद्यार्थी प्रथम स्थान पर, 15 विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर एवं 15 विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया है जिनमें एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला प्रकोष्ठ, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, सामाजिक विज्ञान मंच, युवा रैड़ क्रॉस, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेजी, संगीत, विज्ञान, गणित, खेल, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र वाणिज्य व प्रबन्ध आदि विषयों से सम्बन्धित फोरम–क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर अपने अपने क्षेत्र के विशिष्ट–विद्वानों की वार्ताएँ, भाषण व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं। महाविद्यालय में वन–महोत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, हिन्दी–दिवस तथा स्वामी विवेकानन्द व महाराजा अग्रसेन आदि अनेक महापुरुषों की

जयन्तियाँ मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय–गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सकें। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल–संरक्षण, नशा–मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा आदि ज्वलन्त सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता युक्त बनाया जा सके।

मान्यवर! युवा विद्यार्थियों की उड़ान भरती ललक को मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक–पत्रिका "स्रोत" का प्रकाशन किया जाता है तथा सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका"– (News Letter) भी प्रकाशित की जाती है।

खेल क्षेत्र में हमारे विद्यार्थियों ने अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। B.Sc. II के छात्र कर्मवीर ने राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, एक रजत, तीरंदाजी मेयर कप में स्वर्ण पदक तथा M.D. University की प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया। B.Sc. II के ही छात्र आकाश ने भी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में दो स्वर्ण व मेयर कप में 2016–17 में दोनों बार स्वर्ण–पदक प्राप्त किया ।राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता अप्रैल 2017 में शाह जी भौंसले क्रीड़ा केन्द्र मुम्बई में सम्पन्न हुई। नीरज यादव B.Com CA के छात्र ने तीन स्वर्ण व एक रजत तथा सागर सिंह BCA III के छात्र ने एक स्वर्ण, एक रजत तथा एक कॉस्य पदक प्राप्त किया। B.Sc. III के छात्र वैभव ने राष्ट्रीय स्तर के फेडरेशन कप की साफ़्ट बाल प्रतियोगिता में कॉस्य पदक प्राप्त किया। हमारे महाविद्यालय की छात्राएँ भी खेल में आगे रहती रही हैं। B.B.A. III की छात्रा Khushboo ने प्रदेश स्तर मुक्केबाजी प्रतियोगिता में तीन रजत पदक व विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। खेल क्षेत्र में विश्वविद्यालय की छात्रा ने एक और विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की है जिस पर हम सभी को गर्व है। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा पूजा हुड्ड़ा का साफ्ट बाल की वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन हुआ, जो कि अमेरिका (फ्लोरिड़ा) में 24–06–2017 से 30–06–2017 में सम्पन्न होगी। YRC (Youth Red Cross) के पाँच छात्रों ने पंचकुला में होने वाले प्रादेशिक स्तर के प्रशिक्षण शिविर में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इन छात्रों ने Best Team Cordionation Award प्राप्त करने के साथ समूह–नृत्य में प्रथम, समूह गीत में द्वितीय तथ एकल नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। N.S.S. II की स्वयंसेविका M.Com II की छात्रा प्रिया ने महाराजा अग्रसेन साँस्कृतिक मेले में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा साथ ही इस यूनिट के स्वयंसेवकों ने "शहीद राहत कोष" के लिए 16884+5260=22144/– रुपये इकट्ठे किए। N.S.S.

Unit III की "हल्ला बोल" टीम, जो कि नुक्कड नाटक करती है, ने सूरजकुण्ड़ में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय क्राफ्ट मेले में 3100/– रुपए का नकद पुरुस्कार प्राप्त किया।

N.C.C. कैडेट B.Sc. III के छात्र विकास अत्री ने "अन्तर्राष्ट्रीय युवा मिलन समारोह" के अन्तर्गत 28.9.16 से 24.11.16 तक थाइलैण्ड़, बर्मा व बँगलादेश में सक्रिय रुप से भाग लिया। एक अन्य N.C.C. कैडिट अर्जुन सिंह B.Sc. III शारीरिक सौष्ठव (Body Building) की 2017 में होने वाली प्रतियोगिताओं में Mr. दिल्ली (प्रथम स्थान) Mr. NCR (द्वितीय स्थान) तथा Mr. North India (द्वितीय स्थान) पर रहा।

इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष व परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के भविष्य एवं रोजगार को लेकर महाविद्यालय काफी सचेत रहता है। इसलिए महाविद्यालय में समय–समय पर Placement Drive & Job Fair का आयोजन किया जाता है। हमारे विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का 2–2 लाख का सामूहिक बीमा (Group Insurance) भी किया जाता है, जिसके Premium का भुगतान महाविद्यालय प्रशासन की ओर से दिया जाता है।

महोदय! हमारे महाविद्यालय की इन सभी उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग कॉलेज प्रबन्ध समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है। इन श्रेष्ठ प्रयासों का अच्छा परिणाम यह हुआ कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त श्रेष्ठ उपलब्धियों को देखते हुऐ 3.40 CGPA प्रदान करते हुए 'A' ग्रेड़ प्रदान किया। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने "कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सिलेंस (सी. पी.ई.)" का दर्जा प्रदान किया ।

कॉलेज के इस विकास एवं प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा कॉलेज प्रबन्ध समिति तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री विजय कुमार गुप्ता जी व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने लगातार 36 वर्ष तक विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा–क्षेत्र में समाज–सेवा का जो अनुपम सराहनीय कार्य किया है उसके लिए बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार का आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ।

अन्त में मैं सभी माननीय अतिथियों में विशेषतः मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर महाविद्यालय के इस समारोह की शोभा बढ़ाई।

धन्यवाद!